



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 344]  
No. 344]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 10, 2012/आषाढ़ 19, 1934  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 10, 2012/ASADHA 19, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2012

सं. 35/2012-सीमाशुल्क (एडीडी)

सा.का.नि. 551(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य (चाइना पीआर) और संयुक्त अरब अमीरात (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रोफाइड पोर्सिलेन टाइल (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के आयात के मामले में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 4 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 37/1/2001-डीजीएडी, तारीख 4 फरवरी, 2003 के द्वारा, इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

- (i) संबद्ध देशों में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किए गए विट्रोफाइड पोर्सिलेन टाइल का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया, जिसके कारण पाटन हुआ है;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) यह क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है;
- (iv) विट्रोफाइड पोर्सिलेन टाइल के सभी आयातों पर संबद्ध देशों से प्रतिपाटन शुल्क हटाने की सिफारिश की गई है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार, के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003, सा.का.नि. 376(अ), तारीख 1 मई, 2003 द्वारा उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के संबद्ध देशों में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया गया था;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी, के अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 15/17/2006-डीजीएडी, तारीख 23 अप्रैल, 2008, प्रतिपाटन शुल्क की समीक्षा जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 1, तारीख 23 अप्रैल, 2008 की में प्रकाशित हुई थी और अधिसूचना सं. 15/17/2006- डीजीएडी, तारीख 21 मई, 2008, द्वारा संशोधित हुई थी, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 1, तारीख 21 मई, 2008 की में प्रकाशित हुई थी के जरिए इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

- (i) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रतिपाटन नहीं हो रहा है;

- (ii) वर्तमान पाटनरोधी शुल्क वापस किए जाने की स्थिति में चाइना पीआर से संबद्ध माल के भारतीय बाजार में प्रतिपाटन दर पर आयात की संभावना है
- (iii) प्रतिपाटन उपायों के बावजूद घरेलू उद्योग को क्षति मौजूद है और इस बात का कोई सबूत नहीं है प्रतिपाटन शुल्क समाप्त हो जाने की स्थिति में प्रतिपाटन अथवा घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना ना हो ;

और अभिहित प्राधिकारी ने, घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने हेतु, चाइना पीआर से मूल रूप से उदगमित या वहां से आयातित संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की सिफारिश की थी;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 27 जून, 2008 में प्रकाशित भारत सरकार, के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 82/2008-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 2008, सा०का०नि० 485 (अ), तारीख 27 जून, 2008 द्वारा चाइना पीआर में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्ष 6907 या 6908 या 6914 के तहत आने वाले संबद्ध माल पर चाइना पीआर में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया गया था;

और जबकि, उक्त मामले में, निम्नलिखित पार्टी, अर्थात:-

- (i) मै० फोशान क्यांगबियो सिरामिक कं० लि० चाइना पीआर (उत्पादक) द्वारा मै० मै० शीनवे कारपोरेशन लि०, हांगकांग (निर्यातक); और
- (ii) मै० फोशान सनशुई रोमानटिक सिरामिक कं० लि० चाइना पीआर (उत्पादक- I) हेयुआंग रोमानटिक सिरामिक कं० लि० चाइना पीआर (उत्पादक- II), फोशान बेआंड इंपोर्ट और एक्पोर्ट कं० लि० चाइना पीआर (शिपर) और थाई इम्पेक्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया (निर्यातक)

और जबकि सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उसके द्वारा किए गए निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने, न्यू शिपर समीक्षा अधिसूचना सं० 15/20/2011-डीजीएडी तारीख 19 अप्रैल, 2012 जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 तारीख 19 अप्रैल, 2012 में प्रकाशित हुई थी तथा अधिसूचना सं० 15/25/2012-डीजीएडी तारीख 18 मई, 2012 जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 तारीख 18 मई, 2012 में प्रकाशित हुई थी में उपरोक्त पार्टी द्वारा जब संबद्ध माल का भारत में आयात किया जाये, समीक्षा के पूरे होने तक, अनन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त सिफारिश विचार करने के पश्चात, अभिहित प्राधिकारी के उक्त समीक्षा के पूरे होने तक, यह आदेश देती है कि द्वारा चाइना पीआर में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए:-

- (i) मै० फोशान क्यांगबियो सिरामिक कं० लि० चाइना पीआर (उत्पादक) द्वारा मै० मै० शीनवे कारपोरेशन लि०, हांगकांग (निर्यातक); और

(ii) गै0 फोशन सनशुई रोमानटिक सिरामिक कं0 लि0 चाइना पीआर (उत्पादक- I) हेयुआन रोगानटिक सिरामिक कं0 लि0 चाइना पीआर (उत्पादक- II), फोशन बेआंड इंपोर्ट और एक्पोर्ट कं0 लि0 चाइना पीआर (शिपर्स) और थाई इम्पेक्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया (निर्यातक)

जब भारत में आयात किया जाये, समीक्षा के पूरे होने तक, अन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

2. अन्तिम मूल्यांकन के लिए ऐसी गारंटी आवश्यक होगी जो यथास्थिति सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा, समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से प्रतिपादन शुल्क अधिरोपित करने की स्थिति में, अपर्याप्तता की अदायगी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी के, समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपादन शुल्क की सिफारिश करते हैं आयातक और निर्यातक ऐसी प्रतिपादित शुल्क की रकम, द्वारा भारत में किए गए सभी आयातों पर जो अभिहित प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई हो, जांच की अवधि के प्रारंभ की तारीख से, अदा करेगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टीआरयू (पार्ट-IV)]

राज कुमार दिग्विजय, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th July, 2012

No. 35/2012-Customs (ADD)

**G.S.R. 551(E).**—Whereas, in the matter of import of Vitriified Porcelain Tiles, (hereinafter referred to as the 'subject goods'), falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the 'Customs Tariff Act') and originating in, or exported from the People's Republic of China (China PR) and United Arab Emirates (UAE) (hereinafter referred to as the subject countries), the designated authority, *vide* its final findings in notification No.37/1/2001-DGAD dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 4th February, 2003 had come to the conclusion that—

- (i) Vitriified/ Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries;
- (iv) and had recommended to impose anti dumping duty on all imports of Vitriified/ Porcelain Tiles from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on subject goods falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in or exported from the subject countries and imported into India *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, G.S.R. 376(E) dated the 1st May, 2003;

And whereas, in the matter of sunset review of anti-dumping duty on import of the subject goods, originating in, or exported from the subject countries, the Designated Authority *vide* its findings, No. 15/17/2006-DGAD, dated the 21<sup>st</sup> April, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 23<sup>rd</sup> April, 2008 subsequently amended *vide* Notification No. 15/17/2006-DGAD, dated the 21<sup>st</sup> May, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, has come to the conclusion that –

- (i) there is no dumping taking place from UAE;
- (ii) the subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices from China PR, should the present measures be withdrawn;
- (iii) in spite of the anti-dumping measures in place, there exists significant current injury to the domestic industry. There is also no evidence on record to suggest that dumping or the injury to the domestic industry would cease to exist or is not likely to recur in case the anti-dumping duties are discontinued,

and had recommended continued imposition of the anti-dumping duty on the subject goods originating in, or exported from, China PR in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on subject goods falling under heading 6907 or 6908 or 6914 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in or exported from China PR and imported into India *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27<sup>th</sup> June, 2008 published in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, G.S.R. 485(E) dated the 27<sup>th</sup> June, 2008;

And whereas, in the said matter, the following parties, namely:-

- (i) M/s Foshan Qiangbiao Ceramics Co. Ltd, China PR (producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (exporter); and
- (ii) M/s Foshan Sanshui Romantic Ceramics Co Limited, China PR (producer-1), Heyuan Romantic Ceramics Company Limited, China PR (producer-2), Foshan Beyond Import and Export Company Limited, China PR (Shipper) and Thai Impex Malaysia SDN BHD, Malaysia (Exporter),

have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority, *vide* new shipper review notifications No. 15/20/2011-DGAD dated the 19th April, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 19th April, 2012, and No. 15/25/2011-DGAD dated the 18th May, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 18th May, 2012, has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the above stated parties when imported in to India, till the completion of the said review;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, the subject goods, when originating in or exported from China PR by:-

(i) M/s Foshan Qiangbiao Ceramics Co. Ltd, China PR (producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (exporter); and

(ii) M/s Foshan Sanshui Romantic Ceramics Co Limited, China PR (producer-1), Heyuan Romantic Ceramics Company Limited, China PR (producer-2), Foshan Beyond Import and Export Company Limited, China PR (Shipper) and Thai Impex Malaysia SDN BHD, Malaysia (Exporter),

and imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the proper officer of customs deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of subject goods when originating in or exported from China PR in respect of the above stated parties, from the date of initiation of the said review.

[F. No. 354/214/2001-TRU (Pt.-IV)]

RAJ KUMAR DIGVIJAY, Under Secy.

2536 62/12-2